वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र 2018–2019

प्रस्तुतकर्ता

सचिव

डॉ.बी.एल.देवन्दा

या विद्या या विमुक्तये

SVMM
Roopangarh

रजि नं 144 / जयपुर / 2008 09 मो॰ 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)
राई का बाग, परबतसर रोड, रूपनगढ़, अजमेर–305814

E-mail:Info@svmmcollege.com, website:- www.svmmcollege.com

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर शिक्षा समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में 2008–09 में प्रवेश किया था जो आज शोध सुविधायुक्त स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय के रूप में आपके समक्ष उन्नत मस्तक लिए खड़ा हुआ है।

महिला शिक्षा भारतीय सामाजिक व्यवस्था का एक अभिन्न अंग है। इसका समाज से गहरा संबंध है तथा इससे राष्ट्र की प्रकृति, संस्कृति एवं चरित्र अनुबंधित है। सामाजिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ–साथ आज की महिलाओं के सामने सामाजिक एव आर्थिक समस्याएं, ज्ञान की वृद्धि, उभरती हुई अपेक्षाएँ तथा समाज में होनें वाले परिवर्तन इत्यादि भविष्य में जवाबदेही की अपेक्षा रखते हैं। इस दृष्टि से गुणवान सजग एवं अपने उतरदायित्वों के प्रति जागरूक महिलाओं को तैयार करने के लिए महिला शिक्षा की व्यवस्था में आवश्यक सुधार लाना अनिवार्य है। महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य समाज में चरित्रवान सबल, नैतिक रूप से सुदृढ सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिलायें तैयार करना है।

यह मान्यता है कि एक चरित्रवान सबल, नैतिक रूप से सुदृढ सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिला बनने के लिए औपचारिक एवं व्यावसायिक शिक्षण निरन्तर प्राप्त करते रहना चाहिए। ऐसा करने से उसके व्यक्तित्व का समुचित विकास होता है, संप्रेषण कौशल पुष्ट होता है तथा आचारसंहिता के प्रति वचनबद्धता बढती है। इन्ही सभी मूल्यों को प्रायोगिक रूप में शिक्षा जगत में स्थापित करने हेतु मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर के द्वारा सत्र 2016–2017 से स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ का शुभारंभ किया गया ।

सचिव
डॉ.बी.एल.देवन्दा

बालिका शिक्षा क्षेत्र में नवीन सोपान

अनेक शिक्षण संस्थाओं के बीच एक नवीन रूप, नवीन कलेवर एवं बालिका क्षेत्र में एक नवीन धारणा लेकर प्रारम्भ हुआ है–''स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय''। शिक्षा क्षेत्र के आकाश पर उदीयमान यह नवोदित नक्षत्र बालिका शिक्षा अज्ञान के तिमिर को अपनी कान्ति से दूर करने का अथक प्रयास करता रहेगा। एक शुभ समय में किया गया एक संकल्प, एक शुभ घड़ी में बालिका परोपकार का फूटा अंकुर, जिन महानुभावों के दिल में, वो साधुवाद के पात्र हैं। उनका अभिवन्दन करना कोई अतिश्योक्ति नहीं। इस संस्था के कर्णधारों का उद्येश्य– आप सभी को केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं है, अपितु इस संस्था के माध्यम से हमारा उद्येश्य है– आप सभी को एक कर्त्तव्यनिष्ठ नारी के रूप में, एक देश–भक्त नागरिक के रूप में एवं सर्वोपरि–ईश्वर की सर्वोत्तम कृति स्वरूप एक आदर्श मानव के रूप में शिक्षित करने का। हमारा उद्येश्य है आप सभी में वांच्छित एवं आवश्यक मानवीय गुणों का विकास करना, जिससे कि आप भविष्य में न केवल अपना अपितु अपने माता–पिता, अपने परिवार एवं अपनी इस संस्था का नाम भी रोशन कर सकें।

किसी भी कार्य का शुभारम्भ हम करते हैं उस सर्वशक्तिमान के स्मरण से जिसकी कृपा के बिना कोई कार्य सफल नहीं हो सकता।

''श्री गणेशाय नमः श्री सरस्वत्यै नमः''।

प्रबिसि नगर कीजै सब काजा

हृदय राखि कौसलपुर राजा''

हर पल, हर पहर प्रभु का इसी प्रकार स्मरण रहे तो सफलता अवश्य ही चरण चूमेगी इसमें सन्देह नहीं।

12 जुलाई 2016 को रामायण का अखण्ड पाठ पॉच विद्वान पन्डितों द्वारा 24 घण्टे में सम्पन्न किया गया। तत्पश्चात् अगले दिन रात्रि में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के अध्यक्ष श्री बजरंग जी भाखर तथा सचिव डॉ. बाबू लाल जी देवन्दा ने जोड़े सहित हवन में आहुति होम की। भोज प्रसाद से संस्था का उद्घाटन के रूप में प्रभु स्मरण से कार्य सम्पन्न हुआ।

हमारा पुनीत 'गायत्री–मंत्र' वास्तव में 'सविता अर्थात् सूर्य का स्तवन है। हम उस सर्वशक्तिमान सूर्य के सौर–मण्डल के Solar system के एक तुच्छ से अंग हैं। सूर्य हमारे लिये शक्ति का, ऊर्जा का अक्षय स्त्रोत है। उसी के प्रांगण, सूर्य मण्डल के कीडांगण में हम आज उसकों नमन करते हुये शक्ति और ऊर्जा की प्रार्थना करते हैं। वे अपनी सप्त **ऋषियों** से इन बालिकाओं के तन–मन को सप्तरंगी इन्द्रधनुषों से सजाये व हमारे सयवेत प्रयत्न को सफलता का वरदान है।

महाविद्यालय परिचय

राज्य राजमार्ग सं. 7 पर किशनगढ़ शहर से 25 कि.मी. उत्तर में स्थित रूपनगढ़ कस्बा अपने आप में एक सुपरिचित नाम है जो कि बणी–ठणी के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है। इसी कस्बे में परबतसर रोड़ पर शिक्षा के उन्नयन एवं विकास के लिए **मनु सोथियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेथन सोसायटी, जयपुर के द्वारा** स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय संचालित किया जा रहा है जो महिला शिक्षा के क्षेत्र में रूपनगढ़ कस्बे का प्रथम उभरता हुआ महाविद्यालय है।

महाविद्यालय का वर्तमान भवन 31000 वर्गगज क्षेत्र में बना हुआ है जिसमें 17 सुसज्जित कक्षा कक्ष 30x30 साइज के तथा सभी संसाधनों से युक्त गृहविज्ञान एवं भूगोल प्रयोगशालाए, सेमीनार हॉल, विशाल पुस्तकालय,वाचनालय, बुक बैंक एवं कम्प्यूटर प्रयोगशाला मौजूद है। वर्तमान भवन में एक 50X50का 200 सीट्स सुविधा युक्त सेमीनार हॉल उपलब्ध है। महाविद्यालय में खेलकूद कक्ष एवं स्टोर हेतु भी अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध है महाविद्यालय परिसर में वॉलीबाल, बैडमिन्टन, खो–खो, कबड्डी, क्रिकेट इत्यादि आडटडोर गेम्स एवं केरम, शतरंज, टेबल टेनिस जैसे इन्डोर गेम्स की सुविधायें मोजूद है। महाविद्यालयका विशाल उद्यान महाविद्यालय की शोभा मे चार चांद लगाता है।

महाविद्यालय का प्रस्तावित भवन

महाविद्यालय में उपलब्ध भौतिक संसाधनों का विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है। :-

क्र. सं.	उपस्थित कक्ष	संख्या	उपलब्ध सामग्री
1	कक्षा–कक्ष	10	– प्रत्येक कक्ष मे 40 से 60 सीट्स मय राईटिग टेबल – लेक्चर स्टेण्ड, विशाल श्यामपट्ट, हवा एव रोशनी का पूर्ण प्रबन्ध
2	पुस्तकालय वाचनालय एवं बुक बैंक	1	– विभिन्न विषयों की कुल 4000 से अधिक पुस्तकें – धूल एवं क्षति से बचाने हेतु 22 कॉच की पुस्तकें रखने की बन्द अलमारियॉ – 40 छात्राओं की बैठक क्षमता का वाचनालय – लाइब्रेरी कार्ड की व्यवस्था – बुक बैंक जिसके माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी को 4 विषयों की पुस्तकें अग्रिम राशि जमा (जो की रिफण्डेबल है) देने पर उपलब्ध कराई जाती है।
3	कम्प्यूटर प्रयोगशाला	1	– कुल 22 कम्प्यूटर अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर एवं प्रिन्टर तथा स्केनर सहित उपलब्ध है।
4	गृह विज्ञान प्रयोगशाला	1	– समस्त मूलभूत आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला जिसमें बाल एवं महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सम्बंधी समस्त सामग्री उपलब्ध है।
5	भूगोल प्रयोगशाला (स्नातक)	1	– समस्त मूलभूत आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला उपलब्ध है ।
6	दृश्य श्रव्य संसाधन		– महाविद्यालय के पास ओ.एच.पी.,एल.सी.डी प्रॉजेक्टर कलर टीवी मय डी.वी.डी एवं कम्प्यूटर मय इन्टरनेट रेडियो एवं एफ.एम उपलब्ध है।
7	प्राचार्य कार्यालय कक्ष एवं स्टाफ कक्ष	1	– निर्धारित मापदण्डों के अनुसार पूर्ण सुविधाओ से सुसज्जित है ।
8	खेलकूद एवं अन्य सहशैक्षिक सामग्री		– महाविद्यालय में क्रिकेट ,बैडमिन्टन , बॉलीवाल, फुटबाल, ऐथेलेटिक्स, शतरंज,कैरम,इत्यादि विभिन्न इन्डोर एवं आउटडोर खेलो की सुविधा मय खेल मैदान के उपलब्ध है साथ ही वाद्ययंत्र में हारमोनियम, तबला एवं ढोलक है ।
9	सेमीनार हॉल	1	– महाविद्यालय में एक सेमीनार हॉल 50 X 50 का 200 सीटों की क्षमता सहित उपलब्ध है ।
10	खेल मैदान,प्रार्थना स्थल कॉमन रूम एवं अन्य सुविधाऐ		– महाविद्यालय के पास पर्याप्त खेल मैदान, प्रार्थना स्थल, कॉमन रूम तथा छात्राओं एवं स्टॉफ हेतु अलग से स्वच्छ शौचालय एवं मूत्रालय व्यवस्था सहित उपलब्ध है।

कम्प्यूटर लैब

खेल सामग्री

पुस्तकालय कक्ष

महाविद्यालय का खेल मैदान

विश्वविद्यालय से सम्बद्धता

महाविद्यालय महर्षि दयानद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर से सम्बद्ध है एवं राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त है।

महाविद्यालय में छात्र संख्या एवं उपलब्ध विषय

सत्र 2016–17 से अनवरत संचालित महाविद्यालय में सत्र 2017–18 में 42 छात्रायें विभिन्न विषयों मे नामांकित हुई। वर्तमान सत्र में अनिवार्य विषयों के अतिरिक्त राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य,संस्कृत साहित्य, गृहविज्ञान एवं भूगोल विषयों का अध्ययन कराया जा रहा है।

विषयवार प्रविष्ठ छात्राओं का विवरण– सत्र 2018–19

कला वर्ग

क.सं	विषय	नामांकित छात्रायें			योग
		प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	
1	राजनीति विज्ञान	37	25	10	72
2	भूगोल	36	23	04	63
3	इतिहास	23	14	08	45
4	समाज शास्त्र	00	01	00	01
5	अर्थशास्त्र	00	00	00	00
6	अग्रजी साहित्य	00	00	00	00
7	हिन्दी साहित्य	28	23	09	60
8	गृहविज्ञान	00	00	00	00
9	सस्कृत साहित्य	02	01	02	5
10	दर्शनशास्त्र	00	00	00	00
11	मनोविज्ञान	00	00	00	00
12	लोकप्रशासन	00	00	00	00

महाविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियाँ

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम महाविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियो का प्रत्यक्ष बखान करते है। गतवर्षो की विश्वविद्यालयी परीक्षा का परिणाम सर्वोत्तम रहा।

महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी

विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम के आधार पर सत्रवार सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं की सूचीः–

क्र.सं.	वर्ष	विद्यार्थी का नाम
1	2016–17 प्रथम वर्ष	तारा शर्मा
2	2017–18 प्रथम वर्ष	ललिता जाट
	2017–18 द्वितीय वर्ष	मंजू जाट

सत्र 2018–19 में आयोजित विभिन्न शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का ब्यौराः–

सत्र 2018–19 में महाविद्यालय में निम्नांकित शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

➢ प्रवेशोत्सवः–

महाविद्यालय मे दिनांक 07 जुलाई 2018 को नवागन्तुक छात्राओ का प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सचिव डॉ. बी. एल. देवन्दा एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. श्याम सुन्दर ने मय स्टॉफ श्री गणेश एवं मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर प्रवेश कार्य प्रारम्भ किया। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा इस अवसर पर समस्त छात्राओं का तिलक लगाकर व मौली बॉधकर स्वागत किया गया, एवं सभी छात्राओं के लिए जलपान एवं मिठाई की व्यवस्था की गई।

सत्र के प्रथम तीन दिवसों मे छात्राओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए तथा उनके ज्ञान स्तर मे वृद्धि करने के लिए प्राचार्य एवं स्टॉफ द्वारा अपने–अपने विषयों की सामान्य जानकारी दी गई। छात्राओं से सामान्य परिचय लिया गया एवं कक्षागत शिक्षण का शुभारंभ किया गया।

सीनियर छात्राओं द्वारा नवप्रवेशित छात्राओं का तिलक करते हुए

07 जुलाई 2018 को संस्था के अध्यक्ष, सचिव, प्रभारी तथा प्राचार्य द्वारा मॉ शारदा के श्री चरणों को दीप शिखा की ज्योति एवं धूप–गन्ध से विभूषित किया। ये हमारी भारतीय संस्कृति की अर्चना रही है। तत्पश्चात् छात्राओं को तिलकार्चन कर विधि पूर्वक उद्घाटन किया। छात्राओं की संख्या 82 है।

प्राचार्या के साथ में सीनियर व नवआगुन्तक छात्राएँ

➤ स्वतन्त्रता–दिवसः–

महाविद्यालय में 72 वां "स्वतंत्रता दिवस" 15 अगस्त 2018 को 'राष्ट्रीय पर्व' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि सचिव डॉ. बी.एल. देवन्दा, श्री बजरंग लाल भाखर थे व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. श्याम सुन्दर ने झण्डारोहण कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की । छात्राओं ने उमंग, उत्साह से राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रकट करते हुये तथा ध्वज को नमन करते हुये राष्ट्रगान गाया। महाविद्यालय प्राचार्य ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनियों का उदाहरण देते हुए छात्राओं को देश सेवा का पुनीत कार्य करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा प्राचीन और वर्तवान बदलते परिप्रेक्ष्य में राष्ट की स्थिति एवं राष्ट्र के समक्ष आतंकवाद, भ्रष्टाचार, दहेज प्रथा, बाल विवाह जैसी अन्य कई सामाजिक समस्याओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के प्रवक्तागणो ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये। अंत में महाविद्यालय प्राचार्य ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करके कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

ध्वजारोहण

➤ हरियालो राजस्थानः–

इसी राष्ट्रीय पर्व के उपलक्ष्य में 'हरियालो राजस्थान' के अन्तर्गत छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण का कार्य भी सम्पन्न किया गया तथा वृक्षों को हरा–भरा रखने की शपथ ग्रहण की।

महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्राएँ पौधारोपण करते हुए।

➢ शिक्षक–दिवसः–

5 सितम्बर 2018 'शिक्षक–दिवस' के रूप में महाविद्यालय में आयोजित किया गया। क्योंकि 5 सितम्बर 'शिक्षक–दिवस के रूप में मनाया जाता है यह जानकारी छात्राओं को दी गई।

शिक्षक–दिवस

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (भूतपूर्व तथा दूसरे राष्ट्रपति) के जन्म–दिवस को 'शिक्षक–दिवस' के रूप में मनाया जाता है–कारण कि एक बार जब वो अमेरिका में अध्यापक थें तो विद्यार्थीयों ने उनका जन्म–दिन मनाने की बात कहीं तब उन्होंने कहा कि "ठीक है मेरा जन्म–दिन मनाओं पर 'शिक्षक–दिवस' के रूप में। तभी से 5 सितम्बर को उनका जन्म–दिन 'शिक्षक–दिवस' के रूप में मनाया जाता है। छात्राओं ने उस दिन शिक्षकों को श्रीफल तथा उपहार देकर सम्मान किया।

➤ हिन्दी–दिवसः–

14 सितम्बर 2018 को महाविद्यालय में 'हिन्दी–दिवस' का आयोजन किया गया। 14 सितम्बर 1949 को राष्ट्रभाषा वर्धा समिति के अनुरोध पर मनाया जाता है। इसी दिन संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की 'राज–भाषा' होगी।

महाविद्यालय में हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा पूजा कुमावत ने ''जन–जन की भाषा है हिन्दी'' शीर्षक पर, बीए प्रथम वर्ष की छात्रा पूनम कुमावत ने ''हिन्दी हमारी चेतना'' शीर्षक पर, बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी ने ''राष्ट्र के माथे की बिन्दी है ये हिन्दी'' शीर्षक पर बीए प्रथम की छात्रा सुनिता सैनी ने ''हिन्दी हिन्दुस्तान की धडकन इसे सम्मान दो'' शीर्षक पर आदि रोचक प्रस्तुतियॉ दी।

हिन्दी दिवस

➢ स्वच्छ भारत दिवस व गांधी–जयन्ती और शास्त्री जयन्तीः–

2 अक्टूबर 2018 को स्वच्छ भारत दिवस व 'गांधी–जयन्ती तथा शास्त्री जयन्ती' का उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। प्रभारी रमेश जी, प्राचार्य डॉ. श्याम सुन्दर तथा अन्य व्याख्याताओं ने दोनों महापुरूषों के जीवन पर प्रकाश डाला। गॉधी जी के शब्दों में "मैं दिमाग की खिड़की खुली रखना चाहता हूँ ताकि ताजी हवा आती रहे, पर अपने धरातल को नहीं छोड़ना चाहता। ये हमारी सांस्कृतिक धरोहर बहुत पवित्र है, इसलिये खिड़की खुली रखना चाहता हूँ। उनका कहना था कि "ज्ञान जहॉ से भी मिले उसे स्वीकार करो। लाल बहादुर शास्त्री जी ने देश के नाम संदेश में कहा कि "देश का हर इन्सान सोमवार का व्रत रखे तो हमारे देश में अन्न की बचत हो सकती "। शास्त्री जी ने ताश्कन्द समझौता ऐसा हल किया कि देश को निहाल कर गये। एक नारा 'अमन' था एक का 'जय–जवान, जय–किसान।' देश सदा ही याद रखेगा कि "आज के दिन दो फूल खिले थे जिनसे महका हिन्दुस्तान"।

छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त किय और साथ ही स्वच्छ भारत का संकल्प लिया।

अन्त में महाविद्यालय प्रभारी रमेश मीणा ने सभी का आभार व्यक्त किया व स्वच्छ भारत दिवस के महत्व के बारे में बताया।

1 नवम्बर 2018 से 9 नवम्बर 2018 तक दीपावली का अवकाश रहा। अवकाश से एक दिन पूर्व संस्था के परिवार के सभी सदस्यों ने एक दूसरे को मिठाई देकर शुभकामनायें दीं। 25 दिसम्बर 2018 से 31 दिसम्बर 2018 तक शीतकालीन अवकाश रहा।

➤ गरबा प्रतियोगिताः–

गरबा महोत्सव कार्यक्रम में छात्राए प्रस्तुतिया देती हुई

15 अक्टुबर 2018 को ही गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे निर्णायक थे, पुखराज चित्तोडिया, शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत, मोहन लाल प्रजापत। इस प्रतियोगिता में मिस गरबा अंजू शर्मा रही । सोनू शर्मा व तारा शर्मा संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, परमेश्वरी चौधरी ने द्वितीय स्थान व खुश्बू शर्मा एण्ड ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

शैक्षणिक भ्रमण (रूपनगढ़ का ऐतिहासिक किला)

माँ शाकम्भरी के दर्शन करते हुएँ

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान मनोरंजन करती हुई महाविद्यालय की छात्राऐं

➢ स्वामी विवेकानन्द जयन्तीः–

12 जनवरी 2019 से 'स्वामी विवेकानन्द जयन्ती' के समारोह का आयोजन (राष्ट्रीय युवा सप्ताह) के रूप में 18 जनवरी 2019 तक किया गया, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यकम आयोजित किये गयें यथा– सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगितायें।

छात्राओं ने एकल नृत्य प्रतियोगिता में तारा शर्मा, परमेश्वरी, अंजू शर्मा, तमन्ना बानों, मेघना चौधरी, सोनू शर्मा, परवीन बानों, रितू कंवर, पूजा कंवर, आंकाक्षा राणा ने भी अपनी प्रस्तुति दी। सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में प्रियंका एण्ड ग्रुप, तारा एण्ड ग्रुप, खुशबू एण्ड ग्रुप, भगवती एण्ड ग्रुप ने भी अपनी प्रस्तुति दी।

➢ लम्बी कूद प्रतियोगिता:-

13 जनवरी 2019 को महाविद्यालय में लम्बी कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक शाहिद खान एवं विजयलक्ष्मी कुमावत रहे। जिसमें अंजना कुमावत प्रथम, लक्ष्मी खटीक द्वितीय तथा पूजा कंवर सोनू शर्मा स्थान पर रही।

लम्बी कूद प्रतियोगिता

➢ पोस्टर प्रतियोगिता:-

13 जनवरी 2018 को महाविद्यालय में "पोस्टर प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक थे विजयलक्ष्मी कुमावत (व्याख्याता हिन्दी), शाहिद खान (व्याख्याता इतिहास), शिवराज सिंह राठौड़ (राज. विज्ञान) इस प्रतियोगिता में प्रथम पायदान पर रहीं लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी, द्वितीय स्थान पर अनिता रॉयल व तृतीय स्थान परमेश्वरी ने प्राप्त किया।

➢ गोला फेंक प्रतियोगिताः–

13 जनवरी 2019 को गोला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत रहे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पूजा शर्मा, एवं सुनिता प्रजापत द्वितीय तथा सोनू शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गोला फेंक प्रतियोगिता

➢ **कंचा दौड़** :–13 जनवरी 2019 को ही चम्मच तथा कंचा दौड़ भी की गई, जिसके निर्णायक थे, विजयलक्ष्मी कुमावत, शाहिद खान एवं शिवराज सिंह राठौर। इस प्रतियोगिता में तारा शर्मा प्रथम, अर्चना चौधरी द्वितीय तथा रितू कंवर तृतीय रहीं।

➢ तस्तरी फैंक:–

14 जनवरी 2019 को ही तस्तरी फैंक का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक थे, पूजा कुमावत, शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत। इस प्रतियोगिता में मंजू ने प्रथम स्थान, अंजू देवी ने द्वितीय स्थान व तृतीय स्थान अनिता रॉयल ने प्राप्त किया।

तस्तरी फेंक प्रतियोगिता

➢ निबन्ध–लेखन प्रतियोगिता:–

14 जनवरी 2019 को महाविद्यालय में निबन्ध–लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था–''स्वच्छ भारत अभियान''। जिसके निर्णयक सुश्री पूजा कुमावत (व्याख्याता संस्कृत) थे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहीं अफसाना बानों, द्वितीय स्थान प्राप्त किया जन्नत बानों तथा तृतीय स्थान की हकदार रहीं पूजा कंवर।

➤ मेंहदी प्रतियोगिता:–

हमारी प्राचीन संस्कृति की एक शाश्वत् सनातन परम्परा रही है। अपने रीति–रिवाजों का मनोयोग से निर्वाह करना। राजस्थान में मेंहदी का अपना एक विशिष्ट ही स्थान है, जो पूरे देश क्या विश्व में प्रसिद्ध है। उस प्रान्त की हिना का ही रंग है जो कर–स्पर्श कर ले बस हिना लगने से पूर्व ही अपना रंग दिखा देती है। इसी के अन्तर्गत संस्था की बालिकाओं द्वारा 14 जनवरी 2019 को 'मेंहदी–प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रसन्नता की बात है कि इसी कलात्मक प्रतियोगिता से संस्था के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का 'श्री गणेश' हुआ।

इस प्रतियोगिता के निर्णायक थे– सुश्री विजयलक्ष्मी (व्याख्याता हिन्दी) पुखराज चितोडिया (व्याख्याता राज0 विज्ञान) एवं शाहिद खान (व्याख्याता इतिहास) मेंहदी प्रतियोगिता में विजयी रहीं–परवीना बानो–प्रथम, तमन्ना बानो–द्वितीय।

मेंहदी प्रतियोगिता

➢ दौड़ प्रतियोगिता–

14 जनवरी 2019 को 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ का आयोजन किया, जिसके निर्णायक शाहिद खान (व्याख्याता इतिहास) तथा विजयलक्ष्मी कुमावत (व्याख्याता हिन्दी) रहे। 100 मीटर दौड़ मे अर्चना चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, परमेश्वरी द्वितीय स्थान पर रहीं तथा तृतीय स्थान पर रही लक्ष्मी खटीक। 200 मीटर दौड में प्रथम स्थान पर रहीं लक्ष्मी खटीक, अर्चना द्वितीय रहीं तथा संतोष कुमावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दौड़ प्रतियोगिता

➢ रंगोली प्रतियोगिता :–

16 जनवारी 2019 को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। जिसके निर्णायक–पूजा कुमावत(व्याख्याता संस्कृत), मोहन लाल प्रजापत, तथा विजयलक्ष्मी कुमावत(व्याख्याता हिन्दी) रहें। इसमें प्रथम रहा :–समूह–परवीन एण्ड ग्रुप, अंजना एण्ड ग्रुप द्वितीय रहा। समूह–सुनिता एण्ड ग्रुप तृतीय रहा।

रंगोली प्रतियोगिता

17 जनवरी 2019 को ही अन्य निम्नलिखित प्रतियोगितायें इस प्रकार आयोजित की गईः–

कविता–पाठ प्रतियोगिताः–

निर्णायक–शिवराज सिंह राठौर, पुखराज चित्तोडिया ,शाहिद खान।
इसमें प्रथम सुनिता सैनी, पूनम कुमावत द्वितीय तथा तृतीय रहीं पूजा कुमावत।

म्युजिकल चेयर –

निर्णायक–शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत एव पूजा कुमावत।
इसमें अर्चना चौधरी प्रथम रहीं, सजना कवर द्वितीय तथा तृतीय रही मेघना चौधरी।

सामूहिक नृत्य प्रतियोगिताः–

निर्णायक–विजय लक्ष्मी कुमावत, शाहिद खान, पुखराज चित्तोडिया।
इसमें पूजा एण्ड ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया व खुश्बु एण्ड ग्रुप द्वितीय तथा तृतीय चचल एण्ड ग्रुप।

एकल नृत्य प्रतियोगिताः–

निर्णायक–शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत एवं पूजा कुमावत।
इसमें आकांक्षा राणा ने प्रथम स्थान, सोनू शर्मा द्वितीय व तृतीय पायदान पर पूजा कवर रही ।

कार्ड मेंकिग प्रतियोगिताः–

निर्णायक–पूजा कुमावत, शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत।
इसमें लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी ने प्रथम स्थान, तारा ने द्वितीय स्थान और तमन्ना बानों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

डाण्डिया प्रतियोगिताः–

निर्णायक–शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत एवं पूखराज चित्तोडिया।
इसमें अंजना खुश्बु शर्मा स्थान व सोनू शर्मा, पूनम ने द्वितीय स्थान और तृतीय स्थान सोनू सैनी ने प्राप्त किया।

मेहमानों का इंतजार करते हुए कॉलेज परिवार

महाविद्यालय में प्रवेश करते अतिथि गण

मुख्य अतिथि प्रो. घासी राम जाट का छात्राओं द्वारा तिलक करते हुए।

विशिष्ट अतिथि का स्वागत करत हुए

महाविद्यालय सचिव डा. बी.एल. देवन्दा

दीप प्रज्जवलन करते हुए

स्वागत गीत

अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय सचिव डॉ. बी.एल देवन्दा

स्वागत करते हुए महाविद्यालय प्रबन्ध समिति
अध्यक्ष बजरंग लाल भाकर

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. श्याम सुन्दर द्वारा शिक्षाविद् डॉ. सीताराम चौधरी का स्वागत करते हुए।

विशिष्ट अतिथि श्री कैलाश कुमावत प्रधान पंचायत समिति सांगानेर, जयपुर द्वारा भाषण

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह के अवसर पर महाविद्यालय सचिव छात्राओं को सम्बोधित करते हुए ।

छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व अतिथियों को संबोधित करते हुए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देती हुई छात्राएँ।

प्रजापत
टेन्ट
हाऊस

अतिथियो द्वारा प्रतिभागियो को पुरस्कार वितरण करते हुए

अतिथियों द्वारा छात्रा को पुरस्कार वितरण करते हुए।

इन सभी प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त संस्था की सर्वश्रेष्ठ छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

1. सास्कृतिक, शैणक्षिक तथा अनुशासन–सर्वश्रेष्ठ रहीं तारा शर्मा।
2. खेलकूद प्रतियोगिता–अर्चना जाट।
3. सस्था में उपस्थिति–दुर्गा कुमावत।
4. बी.ए प्रथम वर्ष में सर्वाधिक अक प्राप्त करने वाली छात्रा–ललिता जाट।
5. बी.ए द्वितीय वर्ष में सर्वाधिक अक प्राप्त करने वाली छात्रा–मंजू।

18 जनवरी 2019 को (राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह) का समापन समारोह रंगारंग कार्यक्रमों के द्वारा भूरि–भूरि प्रशसा के मध्य, करतल ध्वनि के साथ कुछ इस प्रकार मनाया गया।

इस समारोह के मुख्य अतिथि अतिथि प्रोफेसर घासी राम राष्ट्रीय अध्यक्ष ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटी एण्ड कॉलेज टीचर्स (AI. FUCTO) तथा विशिष्ट अतिथि श्री कैलाश कुमावत प्रधान पंचायत समिति सांगानेर तथा डॉ. सीताराम चौधरी एसासियट प्राफेसर राजकीय महाविद्यालय दूदू थे। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री बजरग लाल भाखर एवं सचिव डॉ.बी.एल देवन्दा ने सभी अतिथियों का पुष्पहार द्वारा सम्मान स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर घासी राम ने छात्राओं को बताया कि महिलाओं का पढ़ना समाज की प्रगति के लिये अति आवश्यक है। हमें संकुचित सोच त्याग कर लम्बी सोच सदा अपनानी चाहिये, ताकि भविष्य में हम अपनी बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्रदान कर सकें। इस रंग–बिरंगे कार्यक्रम के अवसर पर रूपनगढ के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि श्रीमान् भगवान दास लखन सरपंच, हाजी इकबाल छीपा उपसरपंच एवं पूर्व सरपंच डी.सी.वी किरण ने भी छात्राओं को आर्शीवाद स्वरूप वचनों से लाभन्वित किया। समापन समारोह में श्रीमान् पाचू राम अध्यक्ष जाट महासभा पुष्कर विधान सभा क्षेत्र, श्री शिवराज सिंह डोडवाडिया क्रय–विक्रय सहकारी समिति अध्यक्ष किशनगढ, गोपाल कुमावत ठेकेदार, डॉ सतीश किलावत पूर्व प्राचार्य केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ भारत सरकार, राकेश टण्डन,

पंचायत समिति सदस्य रामचन्द्र थाकण, हनुमान सिंह जोधा, लिखमाराम बाना, हीरालाल माली, प्रकाश शर्मा, बिरदीचन्द कुमावत, हनुमान कुमावत, परमेश्वर बाना, खेतराम जाजड़ा, राजेन्द्र ओझा, मूलचन्द राईका, रामचन्द्र नेहरा, फिरोज खान, रामदीन बाना, करतार फडोलिया, रामनिवास बरकेस्या भी उपस्थित थे।

शिक्षा के क्षेत्र में जितना महत्व स्वस्थ मनोःमस्तिष्क का है उतना ही स्वस्थ शरीर का भी। इसलिये कहा गया–" A healthy mind lives in a healthy body" और स्वस्थ शरीर का राज है–व्यायाम एवं खेलना–कूदना। लगन, धैर्य और मेहनत की परिणति है 'सफलता' और सफलता का मूर्तरूप है–'पुरस्कार'

सत्र 2018–2019 के (राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह) के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में जो छात्रायें विजयी रहीं उन सभी को मुख्य अतिथि महोदय ने स्मृति–चिह्न एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया।

समारोह के अन्त में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. श्याम सुन्दर एवं महाविद्यालय प्रभारी रमेशचन्द मीणा ने सभी अतिथियों का तहे दिल से आभार व्यक्त करते हुये साधुवाद दिया। हम सभी की उस परम पिता परमेश्वर से करबद्ध प्रार्थना है कि आज जो बीज 'स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय' के नाम का रोपा गया है, भविष्य में वो वट वृक्ष की तरह इतना विशाल बने कि जिसकी जड़े नीचे धरती में तथा फूंगल फलक को स्पर्श करे। उसकी महक चहुँ दिशाओं में फैले तथा छात्रायें यहाँ अध्ययन कर ऊँचे–ऊँचे पदो पर आसीन होकर संस्था के नाम में चार चांद लगायें। रूपनगढ़ कस्बे में शिक्षा के क्षेत्र में उठाया गया ये कदम सराहनीय है तथा वो सभी विभूतियाँ अभिवन्दनीय, अभिनन्दनीय हैं, इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं। महिला शिक्षा उत्थान के लिये जो ये सराहनीय कदम उठाया गया है, उसी नारी को समर्पित ये पंक्तियाँ हैं–

"नारी तुम केवल श्रद्धा हो
विश्वास रजत नग पग तल में

पीयूष स्त्रोत सी बहा करो
जीवन के सुन्दर समतल में"

विदाई समारोह– स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय रूपनगढ़ में दिनांक 25.01.2019 को महाविद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया। सर्वप्रथम महाविद्यालय सचिव डॉ.बी.एल. देवन्दा, अध्यक्ष श्री बजरंग लाल भाकर, प्राचार्य डॉ. श्यामसुन्दर ने दीप जलाकर माँ सरस्वती वन्दना के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय सचिव डॉ. बी.एल देवन्दा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि छात्राओं ने जो कुछ इस महाविद्यालय से सीखा उसे अपने आने वाले जीवन में एक प्रेरणा और एक लक्ष्य के रूप में अपनाकर अपना आगे आने वाला जीवन संवारे।

इस कार्यक्रम में प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष कि छात्राओं ने महाविद्यालय की तृतीय वर्ष की छात्राओं का सर्वप्रथम तिलक लगाकर स्वागत किया और छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुतिया दी जिसमें बन्ना म्हारा केसरिया हजारी गुल रा फूल....., कदे आओ नी रसीला म्हारे देश..... इन बोलो पर पंडाल में तालियों की गढगढाहट के साथ छात्राएँ झूम उठी ।

महाविद्यालय प्राचार्य ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आपको अपना उज्जवल भविष्य बनाने के लिए सत्य व कर्त्तव्यनिष्ठता के मार्ग पर चलने पर सफलता आपके कदमों को चूमेंगी तथा आप अपने महाविद्यालय, परिवार, गांव, समाज और देश का नाम रोशन करेगी ।

महाविद्यालय प्रभारी रमेश चंद मीणा ने छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया और जीवन में एक लक्ष्य बनाकर आगे बढे और अच्छे पदों पर आसीन होकर अपने परिवार, महाविद्यालय समस्त गुरूजनों का, देश का नाम रोशन करे और इसके साथ ही समस्त स्टाफ ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

विदाई समारोह कार्यक्रम प्रारंभ करते हुए
सचिव डॉ. बी.एल. देवन्दा, अध्यक्ष श्री बजरंग लाल भाकर
प्राचार्य डॉ. श्याम सुन्दर, कॉलेज प्रभारी रमेश मीणा

अतिंम वर्ष की छात्राओं को उपहार देते हु ए

Mail ID- info@svmmcollege.com
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय

Mail ID- info@svmmcollege.com
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय

अतिम वर्ष की छात्रओं द्वारा प्राचार्य व महाविद्यालय प्रभारी को उपहार भेंट करते हुए

अतिम वर्ष की छात्रओं द्वारा महाविद्यालय को भेंट स्वरूप साउण्ड सिस्टम प्रदान करते हुए

निम्न बिन्दू भी ध्यातव्य है:–

महाविद्यालय की छात्राओं को निर्धारित शर्तो के अनुसार प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति प्रदान की जायेंगी।

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
- आवश्यकता मय योग्यता छात्रवृत्ति
- अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति
- अध्यापकों के बच्चों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
- सेवारत मृत राज्य कर्मचारियों पर आश्रित छात्राओं को छात्रवृत्ति
- भारत, पाक एवं चीन युद्धों में मृतक सैनिकों के बच्चों एवं विधवाओं को छात्रवृत्ति
- राष्ट्रीय ऋण योग्यता छात्रवृत्ति
- अन्ध, बधिर अथवा विकलांग छात्रवृत्ति
- अल्प आय वर्ग छात्रवृत्ति
- स्वतन्त्रता सेनानियों के बच्चों को देय छात्र वृत्ति

इसके अतिरिक्त सत्र 2018–19 में (विज्ञान–संकाय) तथा व्यवसायिक पाठ्यक्रम (बी.एड.) की कक्षाओं का भी संचालन किया जा रहा है।

10 फरवरी 2019 को महाविद्यालय में बसन्त–पंचमी के दिन माँ शारदा की पूजा अर्चना की। माँ वीणा–पाणि का वन्दन सनातन है, अनादि है, अनन्त है। भूत, वर्तमान, भविष्य गाते रहे हैं, गाते रहेंगे परन्तु सरस्वती का गुणगान कभी पूर्ण नहीं होगा। माँ शारदा के पूजन, अर्चन के साथ ही सत्र 2018–19 के 'स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ' के वार्षिक–प्रतिवेदन को विराम दिया जाता है।

!!जय–हिन्द, जय–भारत!!

!!धन्यवाद!!